



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 278] नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 25, 1990/ज्येष्ठ 4, 1912  
No. 278] NEW DELHI, FRIDAY, MAY 25, 1990/JYAISTHA 4, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be used as a  
separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 मई, 1990

का.आ. 408(अ),—संविधान के अनुच्छेद 371 च के खण्ड (ब) द्वारा प्रदत्त  
शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एन.वेंकटराव, इसमें उपाख्य अन्तर्मुखों में विनिर्दिष्ट

अधिनियमिति का, निम्नलिखित उपान्तरणों के अध्वधीन रहते हुए, सिक्किम राज्य पर विस्तार करते हैं, अर्थात् :-

- (1) उक्त अधिनियमिति में ऐसी किसी विधि, जो सिक्किम राज्य में प्रवृत्त नहीं है या किसी ऐसे कृत्यकारी जो इस राज्य में विद्यमान नहीं हैं, के प्रति किसी निर्देश का यह अर्थ लगाया जाएगा कि वह उस राज्य में प्रवृत्त तत्स्थानी विधियाँ विद्यमान तत्स्थानी कृत्यकारी के प्रति निर्देश है:—

परन्तु यह कि यदि यह प्रश्न उठता है कि ऐसा तत्स्थानी कृत्यकारी कौन है, या यदि कोई ऐसा तत्स्थानी कृत्यकारी नहीं है, तो केन्द्रीय सरकार यह विनिश्चय करेगी कि ऐसा कृत्यकारी कौन होगा और केन्द्रीय सरकार का विनिश्चय अंतिम होगा।

- (2) प्रत्येक ऐसी अधिनियमिति के प्रारंभ के लिए उसका सुसंगत उपबंध, यदि कोई है, में किसी बात के होते हुए भी, ऐसी अधिनियमिति के उपबंध सिक्किम राज्य में ऐसी तारीख को प्रवृत्त होंगे, जो केन्द्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियत करे:—

परन्तु शर्त यह है कि अधिनियमिति के विभिन्न उपबंधों के लिए और सिक्किम राज्य में विभिन्न क्षेत्रों के लिए भिन्न-भिन्न तारीखें नियत की जा सकेंगी और अधिनियम के प्रारम्भ के बारे में किसी ऐसे उपबंध में किसी निर्देश का यह अर्थ लगाया जाएगा कि वह उस उपबंध के उस क्षेत्र में, जहाँ उसे प्रवृत्त किया गया है, प्रवृत्त करने के प्रति निर्देश है।

#### अनुसूची

क्रम सं.	वर्ष	संख्या	संक्षिप्त नाम
1.	1961	47	डिपोजिट इन्शुरेन्स एवं क्रेडिट गारंटी कारपोरेशन एक्ट, 1961

आर. वेंकटरामन  
राष्ट्रपति

[एफ.सं. 11013/12/89-एन.ई.-III]

विनय शंकर, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## NOTIFICATION

New Delhi, the 20th May, 1990

S.O. 408(E).—In exercise of the powers conferred by clause (n) of article 371F of the Constitution, the President hereby extends to State of Sikkim the enactment specified in the Schedule annexed hereto subject to the following modifications, namely :—

1. Any reference in the said enactment to a law not in force or to a functionary not in existence, in the State of Sikkim, shall be construed as a reference to the corresponding law in force, or to the corresponding functionary in existence, in that State :

Provided that if any question arises as to who such corresponding functionary, or if there is no such corresponding functionary, the Central Government shall decide as to who such functionary will be and the decision of the Central Government shall be final.

2. Notwithstanding anything contained in the relevant provision, if any, of such enactment for the commencement thereof, the provisions of such enactment shall come into force in the State of Sikkim on such date as the Central Government may by Notification in the Official Gazette, appoint :

Provided that different dates may be appointed for different provisions of the enactment and for different areas in the State of Sikkim and any reference in any such provision to the commencement of the Act shall be construed as a reference to the coming into force of that provision in the area where it has been brought into force.

## SCHEDULE

S. No.	Year	No.	Short Title
1.	1961	47	Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation Act, 1961.

R. VENKATARAMAN President

[F. No. 11013/12/89-NE.III]  
VINAY SHANKAR, Jt. Secy.

(ii)।

तार

भूत  
है,  
भूत

तरी  
पि  
रि

दे  
प्र  
:

।  
।  
।

२